17-10-2012

जानकारी | ललितखेड़ा में महिला पाठशाला में कीटों के आंकड़े तैयार किए

शाकाहारी कीट नाममात्र मिले

हरिभूमि न्यूज. जींद

ललितखेड़ा गांव में बुधवार को पूनम मलिक के खेत पर महिला किसान खेत पाठशाला का आयोजन किया गया। महिलाओं ने पाठशाला में कीट सर्वेक्षण के बाद कीट बही खाता तैयार किया। पाठशाला के आरंभ में महिलाओं ने 6 ग्रुप बनाकर 10-0 पौधों पर कीटों का सर्वेक्षण किया। सर्वेक्षण के बाद महिलाओं ने जामुन के पेड़ के नीचे बैठकर चार्ट पर कीटों के आंकड़े तैयार किए। मास्टर ट्रेनर अंग्रेजो ने सर्वेक्षण के बाद तैयार किए गए आंकड़ों की तरफ इशारा करते हुए बताया कि कपास के इस खेत में इस सप्ताह शाकाहारी कीटों की संख्या नामात्र है। इस सप्ताह फसल में लाल व काला बाणिया ही नजर आए हैं।

जींद। खेत में कीट निरीक्षण के बाद बही खाता तैयार करती महिलाएं। फोटो: हरिभूमि

ये कीट कपास के अंदर से बीज का रस चूसते हैं। सविता ने महिलाओं को बताया कि अब तक पाठशाला में आने वाली किसी भी महिला ने अपने खेत में एक बूंद भी जहर का छिड़काव नहीं किया है। उन्होंने बताया कि महिलाओं ने बिना किसी कीटनाशक का प्रयोग किए कपास की अच्छी पैदावार ली है। इन महिलाओं की पैदावार कीटनाशकों का प्रयोग करने वाले अन्य किसानों के बराबर ही खड़ी है। पूनम मलिक ने बताया कि जब बिना कीटनाशक के हमें अच्छी पैदावार मिल सकती है तो फिर हमें अपनी फसल में जहर के प्रयोग की जरूरत क्यों पड़ती है। सविता ने बताया कि अधिक कीटनाशकों के प्रयोग से पर्यावरण, जमीन व पानी दूषित हो रहे हैं।

सविता ने बताया कि हमें कीटनाशकों की तरफ ध्यान न देकर पौधों की पर्याप्त खुराक की तरफ ध्यान देना चाहिए। पौधों को अच्छी खुराक देकर ही अच्छी पैदावार प्राप्त की जा सकती है। महिलाओं ने बताया कि उनके लिए बड़ी खुशी की बात है कि उन्होंने अपनी मेहनत के बलबूते खुद का ज्ञान पैदा कर कीटनाशकों को धूल चटा दी है।